Toppersnotes
Unleash the topper in you

बिहार पुलिस

कांस्टेबल

केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती), पटना

भाग – 1

हिंदी

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

1.	पर्यायवाची	1
2.	विलोम शब्द	12
3.	शब्द युग्म	18
4.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	27
5.	ध्वनि	32
6.	संज्ञा	36
7.	सर्वनाम	37
8.	विशेषण	39
9.	क्रिया	42
10.	कारक	43
11.	विराम चिन्ह व उनके प्रयोग	52
12.	संधि	55
13.	समास	61
14.	उपसर्ग	65
15.	प्रत्यय	69
16.	अव्यय	72
17.	तत्सम – तद्भव	74
18.	मुहावरे	76
19.	लोकोक्ति	87
20.	रस	100
21.	छन्द	102
22.	अलंकार	109
23.	रचना एवं रचनाकार	113

पर्यायवाची

पर्यायवाची – पर्याय का अर्थ है – समान और पर्यायवाची शब्द से आशय है – समान अर्थवाला शब्द

अतिथि– मेहमान, अभ्यागत, आगन्तुक, पाहुना।

अमृत– सुरभोग सुधा, सोम, पीयूष, अमिय, जीवनोदक ।

अग्नि– आग, ज्वाला, दहन, धनंजय, वैश्वानर, रोहिताश्व, वायुसखा, विभावसु, हुताशन, धूमकेतु, अनल, पावक, वह्नि, कृशानु, वह्नि, शिखी।

अनुपम– अपूर्व, अतुल, अनोखा, अनूठा, अद्वितीय, अद्भुत, अनन्य।

असुर–यातुधान, निशिचर, रजनीचर, दनुज, दैत्य, तमचर, राक्षस, निशाचर, दानव, रात्रिचर।

अलंकार– आभूषण, भूषण, विभूषण, गहना, जेवर।

अहंकार– दंभ, गर्व, अभिमान, दर्प, मद, घमंड, मान।

अतिथि– मेहमान, अभ्यागत, आगन्तुक, पाहुना।

अश्व– हय, तुरंग, घोडा, घोटक, हरि, तुरग, वाजि, सैन्धव।

अंधकार– तम, तिमिर, तमिस्र, अँधेरा, तमस, अंधियारा।

अंग– अंश, अवयव, हिस्सा, भाग।

अभिमान– अस्मिता, अहं, अहंकार, अहंभाव,

अरण्य– जंगल, वन, कानन, अटवी, कान्तार, विपिन।

अनी– कटक, दल, सेना, फौज, चमू, अनीकिनी।

अनादर– अपमान, अवज्ञा, अवहेलना, अवमानना, परिभव ।

अंकुश– नियंत्रण, पाबंदी, रोक, दबाव।

अंजाम– नतीजा, परिणाम, फल।

अंत– समाप्ति, अवसान, इति, इतिश्री, समापन।

अंतर– भिन्नता, असमानता, भेद, फर्क।

अंतरिक्ष– खगोल, नभमंडल, गगनमंडल, आकाशमंडल।

अंतर्धान– गायब, लुप्त, ओझल, अदृश्य।

अंदर– भीतर, आंतरिक, अंदरूनी, अभ्यंतर।

अंदाज– अंदाजा, अटकल, कयास, अनुमान।

अंधा– सूरदास, आँधरा, नेत्रहीन, दृष्टिहीन।

अंबर– आकाश, आसमान, गगन, फलक, नभ।

अंबु– जल, पानी, नीर, क्षीर, सलिल ।

अंबुज– कमल, पंकज, नीरज, वारिज, जलज, सरोज, पद्म।

अंबुद– मेघ, बादल, घन, घनश्याम, अंबुधर, घटा।

अंबुनिधि– समुंदर, सागर, सिंधु, जलधि, उदधि, जलेश।

अंशु– रश्मि, किरन, किरण, मयूख, मरीचि।

अंशुमान– सूरज, सूर्य, रवि, दिनकर, दिवाकर, प्रभाकर, भास्कर।

अकिंचन– गरीब, निर्धन, दीनहीन, दरिद्र।

अक्ल– प्रज्ञा, मेधा, मति, बुद्धि, विवेक।

अखिलेश्वर– ईश्वर, परमात्मा, परमेश्वर, भगवान, खुदा।

अगम– दुष्कर, कठिन, दुःसाध्य, अगम्य।

अच्छा– बढिया, बेहतर, भला, चोखा, उत्तम।

अजनबी– अनजान, अपरिचित, नावाकिफ।

अजीब– अद्भुत, अनोखा, विचित्र, विलक्षण।

अटल– अविचल, अडिग, स्थिर, अचल।

अडंगा– बाधा, रुकावट, विघ्न, व्यवधान।

अतीत– भूतकाल, विगत, गत, भूत।

अत्याचारी– जालिम, आततायी, नृशंस, बर्बर।

अदालत– कचहरी, न्यायालय, दंडालय।

अधीन– मातहत, आश्रित, पराश्रित, परवश, परतंत्र।

अधीर– आतुर, धैर्यहीन, व्यग्र, बेकरार, उतावला।

अध्ययन– पठन–पाठन, पढना, पढाई, पठन।

अनपढ– निरक्षर, अशिक्षित, अपढ।

अनमोल– अमूल्य, बहुमूल्य, बेशकीमती।

अनाज– अन्न, गल्ला, नाज, खाद्यान्न।

अनाड़ी– अकुशल, अनभिज्ञ, अपटु।

अनाथ– दीन, लावारिस, बेसहारा, अनाश्रित।

अनिवार्य– अत्यावश्यक, अपरिहार्य, अवश्यंभावी, परमावश्यक।

अनुज– छोटा भाई, अनुभ्राता, अवरज, कनिष्ठ।

अनुभवी– तजुर्बेकार, जानकार, अनुभवप्राप्त।

अनुमति– इजाजत, सहमति, स्वीकृति, अनुमोदन।

अनुरोध– विनय, विनती, आग्रह, प्रार्थना।

अनूठा– अद्भुत, अनोखा, विलक्षण, अपूर्व।

अपराधी– गुनहगार, कसूरवार, मुलजिम।

अपवित्र– अशुद्ध, नापाक, अस्वच्छ, दूषित।

अफवाह– गप्प, किंवदंती, जनश्रुति, जनप्रवाद।

अभद्र– असभ्य, अविनीत, अकुलीन, अशिष्ट।

अभिनंदन– स्वागत, सत्कार, आवभगत, अभिवादन।

अमन– शांति, सुकून, सुख–चैन, अमन–चैन।

अमीर– धनी, मालदार, रईस, दौलतमंद, धनवान।

अर्चना– आराधना, पूजा, पूजन, अर्चन।

अलि– भौंरा, मधुकर, भ्रमर, भृंग, मिलिंद, मधुप, अलिंद।

असभ्य– गँवार, असंस्कृत, उजड्ड।

अहि– साँप, नाग, फणी, फणधर, सर्प।

आँख– लोचन, अक्षि, नैन, अम्बक, नयन, नेत्र, चक्षु, दृग, विलोचन, दृष्टि, अक्षि।

आकाश– नभ, गगन, द्यौ, तारापथ, पुष्कर, अभ्र, अम्बर, व्योम, अनन्त, आसमान, अंतरिक्ष, शून्य, अर्श।

आनंद– हर्ष, सुख, आमोद, मोद, प्रसन्नता, प्रमोद, उल्लास।

आश्रम– कुटी, स्तर, विहार, मठ, संघ, अखाड़ा ।

आम– रसाल, आम्र, अतिसौरभ, मादक, अमृतफल, सहकार

आंसू– नेत्रजल, नयनजल, चक्षुजल, अश्रु।

आत्मा– जीव, देव, चेतनतत्व, अंतःकरण।

आँगन– अँगना, अजिरा

आँधी– तूफान, बवंडर, झंझावत, अंधड़।

आईना– दर्पण, आरसी, शीशा।

आकाश– आसमान, नभ, गगन, व्योम, फलक।

आक्रोश– क्रोध, रोष, कोप, रिष, खीझ।

आग– पावक, अनल, अग्नि, बाडव, वहि।

आचरण– चाल–चलन, बर्ताव, व्यवहार, चरित्र।

आचार्य– शिक्षक, अध्यापक, प्राध्यापक, गुरु।

आजादी– स्वाधीनता, स्वतंत्रता, मुक्ति।

आजीविका– व्यवसाय, रोजी–रोटी, वृत्ति, धंधा।

आज्ञा– हुक्म, फरमान, आदेश।

आदत– स्वभाव, प्रकृति, प्रवृत्ति।

आनन– चेहरा, मुखड़ा, मुँह, मुखमंडल, मुख।

आबंटन– विभाजन, वितरण, बाँट, वंटना।

आबरू– सम्मान, प्रतिष्ठा, इज्जत।

आयु– उम्र,वय, जीवनकाल।

आयुष्मान– दीर्घायु, दीर्घजीवी, चिरंजीवी, चिरायु।

आरंभ– श्रीगणेश, शुभारंभ, प्रारंभ, शुरुआत, समारंभ।

आवेदन– प्रार्थना, याचना, निवेदन।

आशीर्वाद– शुभकामना, आशीष, आशिष, दुआ।

इन्द्र– सुरेश, अमरपति, वज्रधर, वज्री, शचीश, वासव, वृषा, सुरेन्द्र, देवेन्द्र, सुरपति, शक्र, पुरंदर, देवराज, महेन्द्र, मघवा, शचीपति, मेघवाहन, पुरुहूत, यादव।

इन्द्राणि– इन्द्रवधू, मघवानी, शची, शतावरी, पौलोमी।

इच्छा– अभिलाषा, अभिप्राय, चाह, कामना, ईप्सा, स्पृहा, ईहा, वांछा, लिप्सा, लालसा, मनोरथ, आकांक्षा, अभीष्ट।

इंतकाल– देहांत, निधन, मृत्यु, अंतकाल।

इंदु– चाँद, चंद्रमा, चंदा, शशि, राकेश, मयंक, महताब।

ईश्वर– परमपिता, परमात्मा, प्रभु, ईश, जगदीश, भगवान, परमेश्वर, जगदीश्वर, विधाता।

ईख– गन्ना, ऊख, इक्षु।

ईमानदारी– सच्चा, सत्यपरायण, नेकनीयत, सत्यनिष्ठा।

उपवन– बाग, बगीचा, उद्यान, वाटिका, गुलशन।

उक्ति– कथन, वचन, सूक्ति।

उग्र– प्रचण्ड, उत्कट, तेज, महादेव, तीव्र, विकट।

उचित– ठीक, मुनासिब, वाजिब, समुचित, युक्तिसंगत, न्यायसंगत, तर्कसंगत, योग्य।

उच्छृंखल– उद्दंड, अक्खड, आवारा, झंडबंड, निरकुंश, मनमर्जी, स्वेच्छाचारी।

उजला– उज्ज्वल, श्वेत, सफेद, धवला।

उजाड– जंगल, बियावान, वना।

उजाला– प्रकाश, रोशनी, चाँदनी।

उत्कृष्ट– उत्तम, उन्नत, श्रेष्ठ, अच्छा, बढिया, उम्दा।

उत्कोच– घूस, रिश्वत।

उत्पति– उद्गम, पैदाइश, जन्म, उद्भव, सृष्टि, आविर्भाव, उदय।

उपाय– युक्ति, साधान, तरकीब, तदबीर, यत्न, प्रयत्न।

उदार– फराखदिल, क्षीरनिधि, दरियादिल, दानशील, दानी।

उदाहरण– मिसाल, नजीर, दृष्टांत।

उद्देश्य– लक्ष्य, प्रयोजन, मकसद।

उद्यान– बगीचा, बाग, वाटिका, उपवन।

उन्नति– प्रगति, तरक्की, विकास, उत्कर्ष।

उपकार– भेंट, नजराना, तोहफा।

उपहास– परिहास, मजाक, खिल्ली।

उपानह– खडाऊँ, पनही, पादुका, पदत्राण।

उमा– गौरी, गौरा, गिरिजा, पार्वती, शिवा, शैलजा, अपर्णा।

उम्मीद– आशा, आस, भरोसा।

उर– हृदय, दिल, वक्षस्थल।

उरग– सर्प, साँप, नाग, फणी, फणधर, मणिधर, भुजंग।

उलूक– उल्लू, चुगद, खूसट, कौशिक, घुग्घू।

उषा– सुबह, भोर, भिनसार, अलस्सुबह, ब्रह्ममुहूर्त।

ऊँचा– तुंग, उच्च, बुलंद, गगनस्पर्शी।

ऊँट– करभ, उष्ट्र, लंबोष्ठ, साँडिया।

ऊधम– उपद्रव, उत्पात, धूम, हुल्लड, हुडदंग, धमाचौकडी।

ऋक्ष– भालू, रीछ, भीलूक, भल्लाट, भल्लूक।

ऋक्षेश– चंद्रमा, चंदा, चाँद, शशि, राकेश, कलाधर, निशानाथ।

ऋण– कर्ज, कर्जा, उधार, उधारी।

ऋतुराज– बहार, मधुमास, वसंत, ऋतुपति, मधुऋतु।

ऋषभ– वृष, वृषभ, बैल, पुंगव, बलीवर्द, गोनाथ।

ऋषि– साधु, महात्मा, मुनि, योगी, तपस्वी।

ऐंठ– कड, दंभ, हेकडी, ठसका।

ऐब– खामी, खराबी, कमी, अवगुण।

ओज– तेज, शक्ति, बल, चमक, कांति, दीप्ति, वीर्य।

ओंठ– ओष्ठ, अधर, लब, होठ।

ओला– हिमगुलिका, उपल, करका, हिमोपल।

ओस– नीहार, तुहिन, शबनम।

औचक– अचानक, यकायक, सहसा।

औरत– स्त्री, जोरू, घरनी, महिला, मानवी, तिरिया, नारी, वनिता, घरवाली।

औचित्य– उपयुक्तता, तर्कसंगति, तर्कसंगतता।

औलाद- संतान, संतति, आसऔलाद, बाल-बच्चे।

औषधालय- चिकित्सालय, दवाखाना, अस्पताल।

कमल- नलिन, अरविन्द, उत्पल, अम्भोज, तामरस, पुष्कर, महोत्पल, वनज, कंज, सरसिज, राजीव, पद्म, पंकज, नीरज, सरोज, जलज, जलजात, शतदल, पुण्डरीक, इन्दीवर।

किरण- गभस्ति, रश्मि, अंशु, अर्चि, गो, कर, मयूख, मरीचि, ज्योति, प्रभा।

कामदेव- मदन, मनोज, अनंग, आत्मभू, कंदर्प, दर्पक, पंचशर, मनसिज, काम, रतिपति, पुष्पधन्वा, मन्मथ।

कपड़ा- मयुख, वस्त्र, चीर, वसन, पट, अंशु, कर, अम्बर, परिधान।

कुबेर- किन्नरेश, यक्षराज, धनद, धनाधिप, राजराज।

कबूतर- कपोत, रक्तलोचन, पारावत, कलरव, हारिल।

कण्ठ- ग्रीवा, गर्दन, गला, शिरोधरा।

किनारा- तीर, कूल, कगार, तट।

कृष्ण- राधापति, घनश्याम, वासुदेव, माधव, मोहन, केशव, गोविन्द, मुरारी, नन्दनन्दन, राधारमण, दामोदर, ब्रजवल्लभ, गोपीनाथ, मुरलीधर, द्वारिकाधीश, यदुनन्दन, कंसारि, रणछोड, बंशीधर, गिरधारी।

कान- कर्ण, श्रुति, श्रुतिपटल, श्रवण, श्रोत, श्रुतिपुट।

कोयल- कोकिला, पिक, काकपाली, बसंतदूत, सारिका, कुहुकिनी, वनप्रिया।

क्रोध- रोष, कोप, अमर्ष, गुस्सा, आक्रोश, कोह, प्रतिघात।

कार्तिकेय- कुमार, षडानन, शरभव, स्कन्द।

कुत्ता- श्वा, श्रवान, कुक्कुर।

कल्पद्रुम- देवद्रुम, कल्पवृक्ष, पारिजात, मन्दार, हरिचन्दन।

काक- कौआ, वायस, काग, करठ, पिशुन।

कंगाल- निर्धन, गरीब, रंक, धनहीन।

कंचन- स्वर्ण, सोना, कनक, कुंदन, हिरण्य।

कंजूस- कृपण, सूम, मक्खीचूस।

कंटक- काँटा, खार, सूल।

कंदरा- गुफा, खोह, विवर, गुहा।

कछुआ- कच्छप, कमठ, कूर्म।

कटक- फौज, सेना, पलटन, लश्कर, चतुरंगिणी।

कद्र- मान, सम्मान, इज्जत, प्रतिष्ठा।

कमजोर- निर्बल, बलहीन, दुर्बल, मरियल, शक्तिहीन।

कमला- लक्ष्मी, महालक्ष्मी, श्री, हरप्रिया।

कर्ज- उधार, ऋण, कर्जा, उधारी, कुसीद।

कष्ट- तकलीफ, पीडा, वेदना, दुःख।

कालकूट- जहर, विष, गरल, हलाहल।

काला- श्याम, कृष्ण, कलूटा, साँवला, स्याह।

किनारा- तट, तीर, कगार, कूल, साहिल।

किरीट- ताज, मुकुट, शिरोभूषण।

कीर- तोता, सुग्गा, सुआ, शुक।

केतन- ध्वज, झंडा, पताका, परचम।

केवट- मल्लाह, माँझी, खेवैया, नाविक।

केसरी- शेर, सिंह, नाहर, वनराज, मृगराज, मृगेंद्र।

कुद्ध- नाराज, कुपित, क्रोधित, क्रोधी।

क्रूर- बेरहम, बेदर्द, बेदर्दी, बर्बर।

क्षिप्र- तीव्र, तेज, द्रुत, शीघ्र, तुरंत।

क्षीण- कमजोर, कृश, दुर्बल, अशक्त।

खाना- भोज्य सामग्री, खाद्यय वस्तु, आहार, भोजन।

खग- पक्षी, द्विज, विहग, नभचर, अण्डज, शकुनि, पखेरू।

खटमल- मत्कुण, खटकीट, खटकीडा।

खर- गधा, गर्दभ, खोता, रासभ, वैशाखनंदन।

खरगोश- शशक, शशा, खरहा।

खलक– दुनिया, जगत, जग, विश्व, जहान।

खिल्ली– मखौल, ठिठोली, उपहास।

खुदगर्ज– स्वार्थी, मतलबी, स्वार्थपरायण।

खून– रक्त, लहू, शोणित, रुधिर।

गणेश– विनायक, गजानन, गौरीनंदन, मूषकवाहन, गजवदन, विघ्ननाशक, भवानीनन्दन, विघ्नराज, मोदकप्रिय, मोदकदाता, गणपति, गणनायक, शंकरसुवन, लम्बोदर, महाकाय, एकदन्त।

गंगा– देवनदी, मंदाकिनी, भगीरथी, विष्णुपगा, देवपगा, हरुवनंदा, सुरसरिता, देवनदी, जाह्नवी, सुरसरि, अमरतरंगिनी, विष्णुपदी, नदीश्वरी, त्रिपथगा।

गज– हाथी, हस्ती, मतंग, कूम्भा, मदकल ।

गाय– गौ, धेनु, सुरभि, भद्रा, दोग्धी, रोहिणी।

गृह– घर, सदन, गेह, भवन, धाम, निकेतन, निवास, आगार, आयतन, आलय, आवास, निलय, मंदिर।

गर्मी– ताप, ग्रीष्म, ऊष्मा, गरमी, निदाघ।

गुरु– शिक्षक, आचार्य, उपाध्याय।

गरुड– खगेश, पत्रगारि, उरगारि, हरियान, वातनेय, खगपति, सुपर्ण, विषमुख।

गगन– आसमान, आकाश, नभ, व्योम, अंतरिक्ष।

गरदन– गला, कंठ, ग्रीवा, गलई।

गाँव– ग्राम, देहात, खेडा, पुरवा, टोला।

गेहूँ– कनक, गोधूम, गंदुम।

गोधूलि– साँझ, संध्या, शाम, सायंकाल।

ग्राह– मगरमच्छ, घडियाल, मगर, झषराज।

गदहा– खर, गर्दभ, धूसर, रासभ, बेशर, चक्रीवान, वैशाखनन्दन।

घट– घडा, कलश, कुम्भ, निप।

घर– आलय, आवास, गेह, गृह, निकेतन, निलय, निवास, भवन, वास, वास–स्थान, शाला, सदन।

घन– मेघ, बादल, घटा, अंबुद, अंबुधर।

घमंड– दंभ, दर्प, गर्व, गरूर, गुमान, अभिमान, अहंकार।

घुडसवार– अश्वारोही, तुरंगी, तुरंगारूढ।

घास– तृण, दूर्वा, दूब, कुश, शाद।

चन्द्र– चाँद, सुधांशु, सुधाधर, राकेश, सारंग, निशाकर, निशापति, रजनीपति, मृगांक, कलानिधि, हिमांशु, इंदु, सुधाकर, विधु, शशि, चंद्रमा, तारापति।

चरण– पद, पग, पाँव, पैर, पाद।

चतुर– विज्ञ, निपुण, नागर, पटु, कुशल, दक्ष, प्रवीण, योग्य।

चोर– तस्कर, दस्यु, रजनीचर, मोषक, कुम्भिल, खनक, साहसिक।

चाँदनी– चन्द्रिका, कौमुदी, ज्योत्स्ना, चन्द्रमरीचि, उजियारी, चन्द्रप्रभा, जुन्हाई।

चाँदी– रजत, सौध, रूपा, रूपक, रौप्य, चन्द्रहास।

चंडी– दुर्गा, अंबा, काली, कालिका, जगदंबिका, भगवती।

चतुरानन– विधाता, ब्रह्मा, सृष्टा, सृष्टिकर्ता।

चूहा– मूसा, मूषक, मुसटा, उंदुर।

चौकीदार– प्रहरी, पहरेदार, रखवाला।

चौमासा– वर्षाकाल, वर्षाऋतु, बरसात।

चोटी– मूर्धा, शीर्ष, सानु, शृंग।

छतरी– छत्र, छाता, छत्ता।

छवि– शोभा, सौंदर्य, कान्ति, प्रभा।

छानबीन– जाँच, पूछताछ, खोज, अन्वेषण, शोध, गवेषणा।

छैला– सजीला, बाँका, शौकीन।

छँटनी– कटौती, छँटाई, काट–छाँट।

छटा– शोभा, छवि, सुंदरता, खूबसूरती।

छल– दगा, ठगी, फरेब, छलावा।

छाछ– मही, मठा, मठ्ठा, लस्सी, छाछी।

छाती– सीना, वक्ष, उर, वक्षस्थल।

छींटाकशी– ताना, व्यंग्य, फब्ती, कटाक्ष।

छुटकारा– मुक्ति, रिहाई, निजात।

जल– मेघपुष्प, अमृत, सलिल, वारि, नीर, तोय, अम्बु, उदक, पानी, जीवन, पय, पेय।

जगत– संसार, विश्व, जग, जगती, भव, दुनिया, लोक, भुवन।

जीभ– रसना, रसज्ञा, जिह्वा, रसिका, वाणी, वाचा, जबान।

ज्योति– आभा, छवि, द्युति, दीप्ति, प्रभा, भा, रुचि, रोचि।

जननी– माँ, माता, मम्मी, अम्मा, वालिदा।

जन्नत– स्वर्ग, सुरधाम, बैकुंठ, सुरलोक, हरिधाम।

जन्मांध– सूरदास, अंधा, आँधरा, नेत्रहीन।

जरठ– वृद्ध, बुड्ढा, बूढ़ा।

जलाशय– तालाब, तलैया, ताल, पोखर, सरोवर।

जवान– तरुण, युवक, नौजवान, नौजवाँ, युवा।

जवानी– युवावस्था, यौवन, तारुण्य, तरुणाई।

जाँघ– उरु, जानु, जघन, जंघा, रान।

जाई– बेटी, कन्या, पुत्री, लडकी।

जीविका– रोजी–रोटी, रोजी, आजीविका, वृत्ति।

ज्ञानी– विद्वान, सुविज्ञ, आलिम, विवेकी, ज्ञानवान।

झरना– उत्स, स्रोत, प्रपात, निर्झर, प्रस्त्रवण।

झण्डा– ध्वजा, पताका, केतु।

झाँसा– दगा, धोखा, फरेब, ठगी।

झींगुर– घुरघुरा, झिल्ली, जंजीरा, झिल्लिका।

झूठ– असत्य, मिथ्या, मृषा, अनृत।

टक्कर– मुठभेड, लडाई, मुकाबला।

टीका– तिलक, चिह्न, दाग, धब्बा।

टंटा– झगडा, लफडा, पचडा, झंझट।

टहनी– डाल, डाली, वृंत, उपशाखा, प्रशाखा।

ठग– छली, छलिया, फरेबी, वंचक, धूर्त, धोखेबाज।

ठठोली– मजाक, परिहास, ठट्ठा, ठिठोली, दिल्लगी।

ठुड्डी– ठुड्डी, हनु, चिबुक, ठोडी।

ठेस– चोट, आघात, धक्का।

डंडा– सोंटा, छडी, लाठी।

डंका– नगाडा, भेरी, दुंदभि, धौंसा।

डंस– मच्छर, मस, डाँस, मच्छड।

डगर– राह, रास्ता, पथ, मार्ग, पंथा।

डर– खौफ, भय, दहशत, भीति।

डाकू– दस्यु, लुटेरा, डकैत, बटमार, राहजन।

ढब– ढंग, रीति, तरीका, ढर्रा।

ढील– शिथिलता, सुस्ती, अतत्परता।

ढँग– शऊर, सलीका, कायदा, तौरतरीका।

ढिंढोरा– मुनादी, ढँढोरा, डुगडुगी, डौंडी।

ढिग– समीप, निकट, पास, आसन्न।

ढोंग– पाखंड, प्रपंच, आडम्बर, ढोंगबाजी।

ढोल– ढोलकी, ढोलक, पटह, प्रणव।

तालाब– सरोवर, जलाशय, सर, पुष्कर, ह्रद, पद्माकर , पोखरा, जलवान, सरसी, तडाग।

तोता– सुग्गा, शुक, सुआ, कीर, रक्तुण्ड, दाडिमप्रिय।

तलवार– असि, कृपाण, करवाल, खड्ग, शमशीर चन्द्रहास।

तरकस– तूण, तूणीर, त्रोण, निषंग, इषुधी।

तकदीर– किस्मत, मुकद्दर, नसीब, भाग्य, प्रारब्ध।

तट– कगार, किनारा, कूल, तीर, साहिल।

तटिनी– नदी, सरिता, दरिया, सलिला, तरंगिणी।

तडाग– जलाशय, सरोवर, तालाब, पोखर।

तन– काया, देह, शरीर, बदन, तनु।

तपस्वी– तापस, मुनि, संन्यासी, तपसी, बैरागी।

तम– अँधेरा, अंधकार, तिमिर, अँधियारा।

तरनी– नौका, नाव, किश्ती, नैया।

तरुण– युवक, युवा, जवान, नौजवान।

तरुणाई– युवावस्था, यौवन, जवानी, जोबन।

तिरिया– स्त्री, औरत, महिला, ललना।

तीमारदारी– सेवाटहल, परिचर्या, सेवाशुश्रूषा।

तीर– शर, बाण, विशिख, शिलीमुख, अनी, सायक।

थोडा– अल्प, न्यून, जरा, कम।

थल– स्थान, स्थल, भूमि, जगह।

थोथा– सारहीन, खोखला, खाली।

दूध– दुग्ध, दोहज, पीयूष, क्षीर, पय, गौरस, स्तन्य।

दास– नौकर, चाकर, सेवक, परिचारक, अनुचर, भृत्य, किंकर।

दुःख– पीडा, कष्ट, व्यथा, वेदना, संताप, संकट, क्लेश, यातना, यन्तणा, शोक, खेद, पीर,।

देवता– सुर, देव, अमर, वसु, आदित्य, निर्जर, त्रिदश, गीर्वाण, अदितिनंदन, अमर्त्य, अस्वप्न, आदितेय, दैवत, लेख, अजर, विबुधा।

द्रव्य– धन, वित्त, सम्पदा, विभूति, दौलत, सम्पत्ति।

दैत्य– असुर, इंद्रारि, दनुज, दानव, दितिसुत, दैतेय, राक्षस।

दिन– दिवस, याम, दिवा, वार, प्रमान, वासर, अह्न।

दीन– गरीब, दरिद्र, रंक, अकिंचन, निर्धन, कंगाल।

दुष्ट– पापी, नीच, दुर्जन, अधम, खल, पामर।

दाँत– दशन, रदन, रद, द्विज, दन्त, मुखखुर।

दर्पण– शीशा, आरसी, आईना, मुकुर।

दुर्गा– चंडिका, भवानी, कुमारी, कल्याणी, सिंहवाहिनी, कामाक्षी, सुभद्रा, महागौरी, कालिका, शिवा, चण्डी, चामुण्डा।

दया– अनुकंपा, अनुग्रह, करुणा, कृपा, प्रसाद, सवेदना, सहानुभूति, सांत्वना।

दशरथ– अवधेश, कौशलपति, दशरथंदन, रावण।

दारा– बीवी, पत्नी, अर्धांगिनी, वामांगिनी, गृहणी।

दिवंगत– स्वर्गीय, मृत, मरहूम, परलोकवासी।

दुनिया– जग, जगत, खलक, जहान, विश्व, संसार, भव।

दुष्कर– कठिन, दुसाध्य, दूभर, मुश्किल।

देश– राष्ट्र, राज्य, मुल्क।

देशज– देशजात, देशीय, देशी, मुल्की, वतनी।

देशाटन– यात्रा, विहार, पर्यटन, देशभ्रमण।

द्वैत– जोडा, युगल, द्वय, यमल, युग, युति।

द्वैपायन– वेदव्यास, व्यास, पाराशर, कृष्ण।

देह– काया, तन, शरीर, वपु, गात।

धन– दौलत, संपत्ति, सम्पदा, वित्त।

धरती– धरा, धरती, वसुधा, जमीन, पृथ्वी, भू, भूमि, धरणी, वसुंधरा, अचला, मही, रत्नवती, रत्नगर्भा।

धंधा– आजीविका, उद्योग, कामधंधा, व्यवसाय।

धनंजय – अर्जुन, सव्यसाची, पार्थ, गुडाकेश, बृहन्नला।

धनु– धनुष, पिनाक, शरासन, कोदंड, कमान, धनुही।

धराधर– पर्वत, पहाड, शैल, मेरु, महीधर, भूधर।

धराधीश– सम्राट, शहंशाह, नृप, नरेश, महीप, महीपति।

धान– चावल, चाउर, तंदुल, शालि, व्रीहि।

धी– अक्ल, दिमाग, बुद्धि, मति, प्रज्ञा, मेधा, विवेक।

धीरज– सब्र, संतोष, तसल्ली, धैर्य, दिलासा।

ध्वनि– नाद, रव, स्वर, ताल, आवाज।

नदी– तनूजा, सरित, शैवालिनी, स्रोतस्विनी, आपगा, निम्नगा, कूलंकषा, तटिनी, सरि, सारंग, जयमाला, तरंगिणी, दरिया, निर्झरिणी।

नौका– नाव, तरिणी, जलयान, जलपात्र, तरी, बेडा, डोंगी, तरी, पतंग।

नाग– विषधर, भुजंग, अहि, उरग, काकोदर, फणीश, सारंग, व्याल, सर्प, साँप।

नंदिनी– बेटी, पुत्री, अंगजा, तनुजा, सुता, धी, दुहिता।

नक्षत्र– उडु, तारिका, नखत, जुन्हाई।

नगपति– हिमालय, पर्वतराज, पर्वतेश्वर, नगेश, नगेंद्र, शैलेन्द्र।

नश्वर– नाशवान, फानी, क्षयी, क्षर, भंगुर, मर्त्य।

नारी– स्त्री, वनिता, महिला, मानवी।

निवेदन– विनय, अनुनय, विनती, प्रार्थना, गुजारिश, इल्तजा।

नौकर– भृत्य, चाकर, किंकर, मुलाजिम, खादिम।

पति– भर्ता, वल्लभ, स्वामी, प्राणाधार, प्राणप्रिय, प्राणेश, आर्यपुत्र।

पत्नी– भार्या, दारा, बेगम, कलत्र, प्राणप्रिया, वधू, वामा, अर्धांगिनी, सहधर्मिणी, गृहणी, बहु, वनिता, जोरू, वामांगिनी।

पक्षी– खेचर, द्विज, पतंग, पंछी, खग, विहग, परिन्दा, शकुन्त, अण्डज, चिडिया, गगनचर, पखेरू, विहंग, नभचर।

पर्वत– पहाड, गिरि, अचल, भूमिधर, तुंग आद्रि, शैल, धरणीधर, धराधर, नग, भूधर, महीधर।

पण्डित– सुधी, विद्वान, कोविद, बुध, धीर, मनीषी, प्राज्ञ, विचक्षण।

पुत्र– बेटा, लडका, आत्मज, सुत, वत्स, तनुज, तनय, नंदन।

पुत्री– बेटी, आत्मजा, तनूजा, दुहिता, नन्दिनी, लडकी, सुता, तनया।

पृथ्वी– धरा, धरती, भू, इला, उर्वी, धरित्री, धरणी, अवनि, मेदिनी, क्षिति, मही, वसुंधरा, वसुधा, जमीन, भूमि।

पुष्प– फूल, सुमन, कुसुम, मंजरी, प्रसून, पुहुप।

पानी– जल, नीर, सलिल, अंबु, अंभ, उदक, तोय, जीवन, वारि, पय, अमृत, मेघपुष्प, सारंग।

पार्वती– अपर्णा, अंबिका, आर्या, उमा, गौरी, गिरिजा, भवानी, रुद्राणी, शिवा।

पत्थर– पाहन, पाषाण, प्रस्तर, उपल।

पिता– जनक, तात, पितृ, बाप।

परोपकार– परहित, भलाई, नेकी, परकाज, परमार्थ, परार्थ।

प्रतिदिन– रोजाना, हर दिन, हर रोज, रोज, रोज-रोजा।

प्रहरी– द्वारपाल, पहरेदार, प्रतिहारी, दरबान, चौकीदार।

प्रेक्षागृह– नाट्यगृह, छविगृह, नाट्यशाला, रंगशाला, रंगभूमि, रंगस्थली।

पवन– वायु, हवा, समीर, वात, मारुत, अनिल, पवमान, समीरण, स्पर्शन।

फूल– पुष्प, सुमन, कुसुम, गुल, प्रसून।

बाण– सर, तीर, सायक, विशिख, आशुग, इषु, शिलीमुख, नाराच।

बिजली– घनप्रिया, इन्द्रवज्र, चंचला, सौदामनी, चपला, बीजुरी, क्षणप्रभा, घनवल्ली, शया, ऐरावती, दामिनी, ताडित, विद्युत।

ब्रह्मा– विधि, विधाता, स्वयंभू, प्रजापति, आत्मभू, लोकेश, पितामह, चतुरानन, विरंचि, अज, कर्तार, कमलासन, नाभिजन्म, हिरण्यगर्भ।

बहुत– अनेक, अतीव, अति, बहुल, भूरि, बहु, प्रचुर, अपरिमित, प्रभूत, अपार, अमित, अत्यन्त, असंख्य।

बन्दर– वानर, कपि, कपीश, मर्कट, कीश, शाखामृग, हरि।

बगीचा– बाग, वाटिका, उपवन, उद्यान, फुलवारी, बगिया।

बंदीगृह– कारागृह, कारागार, कारावास, कैदखाना, जेल।

बजरंगबली– हनुमान, वायुपुत्र, केसरीनंदन, पवनपुत्र, बजरंगी, महावीर।

बाँसुरी– वेणु, बंशी, मुरली, बंसुरी।

बलदेव– बलराम, बलभद्र, हलायुध, राम, मूसली, रोहिणेय, संकर्षण।

भौंरा– अलि, मधुव्रत, शिलीमुख, मधुप, मधुकर, द्विरेप, षट्पद, भृंग, भ्रमर।

भोजन– खाना, भोज्य सामग्री, खाद्यय वस्तु, आहार।

भाई– तात, अनुज, अग्रज, भ्राता, भ्रातृ।

भंगुर– नाशवान, नश्वर, अनित्य, क्षर, मर्त्य, विनश्वर।

भंडारी– रसोइया, खानसामा, महाराज, रसोईदार।

भंवरा– भौंरा, भ्रमर, मधुकर, मधुप, मिलिंद, अलि, अलिंद, भृंग।

भगिनी– बहन, बहना, स्वसा, अग्रजा।

भद्र– शिष्ट, शालीन, कुलीन, सभ्य, सलीकेदार, बासलीका।

भरोसा– यकीन, विश्वास, ऐतबार, अकीदा, आश्वास।

भव– संसार, दुनिया, जग, जहाँ, विश्व, खलक, खल्क।

भविष्य– भावी, अनागत, भविष्यतकाल, मुस्तकबिल, भविष्यद।

भारती– शारदा, सरस्वती, वाग्देवी, वीणावादिनी, विद्या, वागेश्वरी, वागीशा।

भीष्म– गंगापुत्र, शांतनुसुत, भीष्मपितामह, देवव्रत।

भुजा– भुज, बाहु, बाँह, बाजू।

मछली– मीन, मत्स्य, झख, झष, जलजीवन, शफरी, मकर।

महादेव– शम्भु, ईश, पशुपति, शिव, महेश्वर, शंकर, चन्द्रशेखर, भव, भूतेश, गिरीश, हर, त्रिलोचन।

मुनि– यती, अवधूत, संन्यासी, वैरागी, तापस, सन्त, भिक्षु, महात्मा, साधु, मुक्तपुरुष।

मित्र– सखा, सहचर, स्नेही, स्वजन, सुहृदय, साथी, दोस्त।

मोर– केक, कलापी, नीलकंठ, शिखावल, सारंग, ध्वजी, शिखी, मयूर, नर्तकप्रिय।

मदिरा– शराब, हाला, आसव, मधु, मद्य, वारुणी, सुरा, मद।

मूर्ख– गँवार, अल्पमति, अज्ञानी, अपढ, जड।

मृत्यु– देहांत, मौत, अंत, स्वर्गवास, निधन, देहावसान, पंचत्व, इंतकाल, काशीवास, गंगालाभ, निर्वाण, मरण।

मग– पन्थ, मार्ग, बाट, पथ, राह।

मूढ– मूर्ख, अज्ञानी, निर्बुद्धि, जड, गंवार।

मूँगा– प्रवाल, रक्तांग, विद्रुम, रक्तमणि।

मकडी– मकरी, लूता, लूतिका, लूत।

मकर– मगर, मगरमच्छ, घडियाल, नक्र, ग्राह, झषराज।

मरघट– मसान, मुर्दघाट, श्मशान, श्मशानघाट।

मिथुन– युग्म, युगल, जोडा, यमल।

मुकुट– ताज, उष्णीष, किरीट, राजमुकुट।

मोक्ष– मुक्ति, परधाम, निर्वाण, कैवल्य, सद्गति, निर्वाण, परमपद, अपवर्ग।

यम– सूर्यपुत्र, जीवितेश, श्राद्धदेव, कृतांत, अन्तक, धर्मराज, दण्डधर, कीनाश, यमराज।

यमुना– कालिन्दी, सूर्यसुता, रवितनया, तरणि–तनूजा, तरणिजा, अर्कजा, भानुजा।

यज्ञोपवीत– जनेऊ, उपवीत, ब्रह्मसूत्र।

यशस्वी– मशहूर, विख्यात, नामवर, कीर्तिवान, ख्यातिवान।

याज्ञसेनी– पांचाली, द्रौपदी, सैरंध्री, द्रुपदसुता, कृष्णा।

युग– द्युग, दौर, मन्वंतर, काल, कल्प, जमाना।

युद्ध– संग्राम, संघर्ष, समर, लडाई, रण, द्वंद्व।

युद्धभूमि– रणक्षेत्र, रणभूमि, समरभूमि, संग्रामभूमि, युद्धस्थल।

युधिष्ठिर– कौन्तेय, धर्मराज, धर्मपुत्र, अजातशत्रु।

युवति– युवती, सुन्दरी, श्यामा, किशोरी, तरुणी, नवयौवना।

रात्रि– निशा, क्षया, रैन, रात, यामिनी, रजनी, त्रियामा, क्षणदा, शर्वरी, तमस्विनी, विभावरी।

राजा– नृपति, भूपति, नरपति, नृप, महीप, राव, सम्राट, भूप, भूपाल, नरेश, महीपति, अवनीपति।

रमा– इन्दिरा, हरिप्रिया, श्री, लक्ष्मी, कमला, पद्मा, पद्मासना, समुद्रजा, श्रीभार्गवी, क्षीरोदतनया।

रामचन्द्र– अवधेश, सीतापति, राघव, रघुपति, रघुवर, रघुनाथ, रघुराज, रघुवीर, रावणारि, जानकीवल्लभ, कमलेन्द्र, कौशल्यानन्दन।

रावण– दशानन, लंकेश, लंकापति, दशशीश, दशकंध, दैत्येन्द्र।

लक्ष्मी– चंचला, कमला, पद्मा, रमा, हरिप्रिया, श्री, इंदिरा, पद्ममा, सिन्धुसुता, कमलासना।

लक्ष्मण– लखन, शेषावतार, सौमित्र, रामानुज, शेष।

वृक्ष– तरू, अगम, पेड, पादप, विटप, गाछ, दरख्त, शाखी, विटप, द्रुम।

विवाह– शादी, गठबंधन, परिणय, व्याह, पाणिग्रहण।

वायु– हवा, पवन, समीर, अनिल, वात, मारुत।

विधवा– अनाथा, पतिहीना, राँड।

विष्णु– नारायण, दामोदर, पीताम्बर, माधव, केशव, गोविन्द, चतुर्भज, उपेन्द्र, जनार्दन, चक्रपाणि, विश्वम्भर, लक्ष्मीपति, मधुरिपु।

विद्युत– चपला, चंचला, दामिनी, सौदामिनी, तडित, बीजुरी, घनवल्ली, क्षणप्रभा, करका।

विशाल– विराट, दीर्घ, वृहत, बडा, महा, महान।

वर्षा– पावस, बरसात, वर्षाकाल, चौमासा, वर्षाऋतु।

वसन्त– मधुमास, माधव, कुसुमाकर, ऋतुराज।

शेर–हरि, मृगराज, व्याघ्र, मृगेन्द्र, केहरि, केशरी, वनराज, सिंह, शार्दूल, हरि, मृगराजा।

शिव– भोलेनाथ, शम्भू, त्रिलोचन, महादेव, नीलकंठ, शंकर।

शरीर– देह, तनु, काया, कलेवर, वपु, गात्र, अंग, गात।

शत्रु– रिपु, दुश्मन, अमित्र, वैरी, प्रतिपक्षी, अरि, विपक्षी, अराति।

शेषनाग– अहि, नाग, भुजंग, व्याल, उरग, पन्नग, फणीश, सारंग।

शुभ्र– गौर, श्वेत, अमल, वलक्ष, धावल, शुक्ल, अवदात।

शहद– पुष्परस, मधु, आसव, रस, मकरन्द।

सरस्वती– गिरा, शारदा, भारती, वीणापाणि, विमला, वागीश, वागेश्वरी।

सेना– ऊनी, कटक, दल, चमू, अनीक, अनीकिनी।

साधु– सज्जन, भद्र, सभ्य, शिष्ट, कुलीन।

सलिल– अम्बु, जल नीर, तोय, सलिल, पानी, वारि।

सगर्भ– बंधु, भाई, सजात, सहोदर, भ्राता, सोदर।

सगर्भा– भगिनी, सजाता, सहोदर, बहिन, सोदरा।

समुद्र– सागर, पयोधि, उदधि, पारावार, नदीश, नीरनिधि, अर्णव, पयोनिधि, अब्धि, वारीश, जलधाम, नीरधि, जलधि, सिंधु, रत्नाकर, वारिधि।

समूह– दल, झुंड, समुदाय, टोली, जत्था, मण्डली, वृंद, गण, पुंज, संघ, समुच्चय।

सरस्वती– गिरा, भाषा, भारती, शारदा, ब्राह्मी, वाक, जातरूप, हाटक, वीणापाणि, विमला, वागीश, वागेश्वरी।

सुमन– कुसुम, मंजरी, प्रसून, पुष्प, फूल ।

सीता– वैदेही, जानकी, भूमिजा, जनकतनया, जनकनन्दिनी, रामप्रिया।

सूर्य– रवि, सूरज, दिनकर, प्रभाकर, आदित्य, मरीची, दिनेश, भास्कर, दिनकर, दिवाकर, भानु, अर्क, तरणि, पतंग, आदित्य, सविता, हंस, अंशुमाली, मार्तण्ड।

सिंह– केसरी, शेर, महावीर, व्याघ्र, पंचमुख, मृगेन्द्र, केहरी, केशी, ललित, हरि, मृगपति, वनराज, शार्दूल, नाहर, सारंग, मृगराजा।

सुन्दर- कलित, ललाम, मंजुल, रुचिर, चारु, रम्य, मनोहर, सुहावना, चित्ताकर्षक, रमणीक, कमनीय, उत्कृष्ट, उत्तम, सुरम्य।

स्वर्ग- सुरलोक, देवलोक, दिव्यधाम, ब्रह्मधाम, द्यौ, परमधाम, त्रिदिव, द्युलोक।

सहेली- अलि, भट्ट, संगिनी, सहचारिणी, आली, सखी, सहचरी, सजनी, सैरन्ध्री।

हिमालय- हिमगिरी, हिमाचल, गिरिराज, पर्वतराज, नगपति, हिमपति, नगराज, हिमाद्रि, नगेश।

हनुमान- पवनसुत, पवनकुमार, महावीर, रामदूत, मारुततनय, अंजनीपुत्र, आंजनेय, कपीश्वर, केशरीनंदन, बजरंगबली, मारुति।

हिमांशु- हिमकर, निशाकर, क्षपानाथ, चन्द्रमा, चन्द्र, निशिपति।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

विलोम – शब्द

किसी शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं ।

जैसे – (अमृत – विष), (दिन – रात)

(अ, आ) –

शब्द	विलोम
अमृत	विष
अन्धकार	प्रकाश
अनुराग	विराग
आगामी	गत
अनुज	अग्रज
अधिक	न्यून
आलस्य	स्फूर्ति
अपेक्षा	नगद
आहार	निराहार
आमिष	निरामिष
आजादी	गुलामी
आर्द्र	शुष्क
अनिवार्य	वैकल्पिक
अगम	सुगम
आकाश	पाताल
अनुग्रह	विग्रह
आश्रित	निराश्रित
आदान	प्रदान
आयात	निर्यात
आलस्य	स्फूर्ति
आदर्श	यथार्थ
अक्सर	कभी कभार
अनुलोम	प्रतिलोम
आगामी	विगत
अतल	वितल
आयात	निर्यात
अंतर्मुखी	वहिर्मुखी
आभ्यन्तर	बाह्य
आदत्त	प्रदत्त
अन्तरंग	बहिरंग
अनाहूत	आहूत
अत्यधिक	अत्यल्प

शब्द	विलोम
अथ	इति
अल्पायु	दीर्घायु
आदि	अंत
आकर्षण	विकर्षण
आदान	प्रदान
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अनुकूल	प्रतिकूल
अल्प	अधिक
अमृत	विष
अभिमान	नम्रता
आशा	निराशा
अपमान	सम्मान
अनुज	अग्रज
आरंभ	अंत
आदर	अनादर
अनुपस्थित	उपस्थित
आलस्य	स्फूर्ति
अस्त	उदय
अनुरक्ति	विरक्ति
आग्रही	दुराग्रही
आच्छादित	अनाच्छादित
आगम	लोप
आदिष्ट	निषिद्ध
आशा	निराशा
आतुर	अनातुर
आधार	निराधार
आगामी	विगत
आरोह	अवरोह
अघ	अनघ
अवर	प्रवर
अर्पित	गृहीत
अपेक्षा	उपेक्षा

शब्द	विलोम
अंगीकार	अस्वीकार
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक
आधुनिक	प्राचीन
अधुनातन	पुरातन
आदान	प्रदान
आकाश	पाताल
आकीर्ण	विकीर्ण
आसक्त	अनासक्त
अतुकान्त	तुकान्त
अधः	उपरि
अनुग्रह	विग्रह
अधम	उत्तम
अज्ञ	विज्ञ
अकाल	सुकाल
अनैक्य	ऐक्य
आवश्यक	अनावश्यक
आदि	अनादि
आश्रित	निराश्रित
आवृत	अनावृत
आकुंचन	प्रसारण
अकाम	सुकाम
अर्पण	ग्रहण
अति	अल्प
अधिकारी	अनाधिकारी
अग्र	पश्च
अपना	पराया
अवनति	उन्नति
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अन्तर्द्वन्द्व	बहिर्द्वन्द्व
अनेक	एक
अर्थी	प्रत्यर्थी

(इ, ई) –

शब्द	विलोम
इच्छा	अनिच्छा
इच्छित	अनिच्छित

शब्द	विलोम
इष्ट	अनिष्ट
इसका	उसका

शब्द	विलोम
इहलोक	परलोक
इकट्ठा	अलग

(उ, ऊ,) –

शब्द	विलोम
उदात्त	अनुदात्त
उर्ध्व	निम्न
उधार	नकद
उपाय	निरुपाय
उत्तम	अधम
उपसर्ग	प्रत्यय
ऊँच	नीच
उत्साह	निरुसाह
उद्धत	विनीत

शब्द	विलोम
उन्मुख	विमुख
ऊपर	नीचे
उदघाटन	समापन
उत्तरायण	दक्षिणायन
उत्थान	पतन
उत्तर	दक्षिण
उपभुक्त	अनुपभुक्त
उर्वर	ऊसर
उपसर्ग	प्रत्यय

शब्द	विलोम
उपमा	अनुपमा
उपयोग	दुरूपयोग
उग्र	सौम्य
उद्यम	निरुद्यम
उद्यमी	आलसी
उत्तम	अधम
उच्च	निम्न
उदयाचल	अस्ताचल
उत्कृष्ट	निकृष्ट

(ए, ऐ) –

शब्द	विलोम
एड़ी	चोटी
एकाग्र	चंचल
ऐहिक	पारलौकिक

शब्द	विलोम
एकल	बहुल
ऐश्वर्य	अनैश्वर्य
ऐक्य	अनैक्य

शब्द	विलोम
ऐतिहासिक	अनैतिहासिक
एकत्र	विकर्ण

(ओ, औ) –

शब्द	विलोम
ओजस्वी	निस्तेज

शब्द	विलोम
औपन्यासिक	अनौपन्यासिक

(क) –

शब्द	विलोम
कनीय	वरीय
कठिन	सरल
कुकृति	सुकृत्य
कदाचार	सदाचार
कसूरवार	बेकसूर
क्रिया	प्रतिक्रिया
कड़वा	मीठा
कृष्ण	शुक्ल
कलंक	निष्कलंक

शब्द	विलोम
कुख्यात	विख्यात
क्रय	विक्रय
कीर्ति	अपकीर्ति
करुण	निष्ठुर
कृतज्ञ	कृतघ्न
क्रुद्ध	शान्त
कर्म	निष्कर्म
कपटी	निष्कपट
कर्कश	सुशील

शब्द	विलोम
कनिष्ठ	ज्येष्ठ
कपूत	सपूत
कुसुम	वज्र
कर्मण्य	अकर्मण्य
कठोर	कोमल
कनिष्ठ	ज्येष्ठ
कुरूप	सुरूप
कायर	निडर
कोप	कृपा

(ख) –

शब्द	विलोम
खिलना	मुरझाना

शब्द	विलोम
खंडन	मंडन

शब्द	विलोम
खीझना	रीझना

खेद	प्रसन्नता	खरा	खोटा	खगोल	भूगोल

(ग) –

शब्द	विलोम
गोचर	अगोचर
गद्य	पद्य
गणतन्त्र	राजतन्त्र
गर्मी	सर्दी
गहरा	छिछला

शब्द	विलोम
गीला	सूखा
गुण	दोष
गुप्त	प्रकट
गृहस्थ	संन्यासी
गमन	आगमन

शब्द	विलोम
गृहीत	त्यक्त
ग्राह्य	त्याज्य
गरल	सुधा
गत	आगत
गरीब	अमीर

(घ) –

शब्द	विलोम
घर	बाहर
घृणा	प्रेम

शब्द	विलोम
घात	प्रतिघात
घन	तरल

शब्द	विलोम
घरेलू	बाहरी

(च, छ) –

शब्द	विलोम
चर	अचर
चोर	साधु
चल	अचल
चंचल	स्थिर

शब्द	विलोम
चढाव	उतार
चतुर	मूढ़
चेतन	अचेतन
छली	निश्छल

शब्द	विलोम
छाँह	धूप
छूत	अछूत

(ज, झ) –

शब्द	विलोम
जीवन	मरण
जंगम	स्थावर
जय	पराजय
जागरण	निद्रा
जल	स्थल

शब्द	विलोम
ज्योति	तम
जीवित	मृत
ज्वार	भाटा
ज्योतिर्मय	तमोमय
जातीय	विजातीय

शब्द	विलोम
जोड़	घटाव
जड़	चेतन
जन्म	मृत्यु
जागृति	सुषुप्ति
जल्द	देर

(त, थ) –

शब्द	विलोम
ताप	शीत
तम	आलोक
तुच्छ	महान्
तामसिक	सात्त्विक
तरल	ठोस

शब्द	विलोम
थोड़ा	बहुत
तीव्र	मन्द
तिमिर	प्रकाश
तुकान्त	अतुकान्त
थोक	फुटकर

शब्द	विलोम
तरुण	वृद्ध
तृष्णा	वितृष्णा
तारीफ	शिकायत
थलचर	जलचर
तृषा	तृप्ति

(द) –

शब्द	विलोम
दिन	रात्रि
दीर्घकाय	लघुकाय
दुर्बल	सबल
दाता	याचक
दूषित	स्वच्छ
दुराचारी	सदाचारी

शब्द	विलोम
देव	दानव
दुष्ट	सज्जन
दोषी	निर्दोषी
दुरुप्रयोग	सदुप्रयोग
दास	स्वामी
दूषित	स्वच्छ

शब्द	विलोम
दयालु	निर्दय
दानी	कंजूस
दुर्जन	सज्जन
दुर्दान्त	शांत
दुर्गन्ध	सुगन्ध

(ध) –

शब्द	विलोम
धनी	निर्धन
धर्म	अधर्म
धर्मात्मा	दुरात्मा

शब्द	विलोम
धूप	छाँव
धरा	गगन
धृष्ट	विनीत

शब्द	विलोम
ध्वंस	निर्माण
धीर	अधीर
ध्वस्त	निर्धवस्त

(न) –

शब्द	विलोम
नूतन	पुरातन
निर्माण	विनाश
निरक्षर	साक्षर
निन्दा	स्तुति
नर	नारी
निषिद्ध	विहित
नकरात्मक	सकरात्मक
निराकार	साकार
नमक हराम	नमक हलाल

शब्द	विलोम
निर्मल	मलिन
निर्लज्ज	सलज्ज
नगर	ग्राम
निर्दोष	सदोष
निरर्थक	सार्थक
नश्वर	शाश्वत
निडर	कायर
नरक	स्वर्ग
निश्चेष्ट	सचेष्ट

शब्द	विलोम
नख	शिख
निद्रा	जागरण
निश्छल	छली
निषेध	विधि
न्यून	अधिक
निरामिष	सामिष
नीरस	सरस
निर्जीव	सजीव